

**अजीब** वि. (अर.) अनोखा, विलक्षण, विचित्र, अनूठा, आश्चर्यजनक।

**अजीबो-गरीब** वि. (अर.) बहुत ही विचित्र, अनूठा, आश्चर्यजनक।

**अजीर्ण** वि. (तत्.) 1. अपच, बदहजमी 2. अतिरेक, जो जीर्ण अर्थात् पुराना न हो।

**अजीवन** पुं. (तत्.) जीवन का अभाव, मृत्यु।

**अजीवातजनन** पुं. (तत्.) जीवेतर पदार्थों से जीवों की उत्पत्ति, अजीवजनन बिलो. जीवात जनन।

**अजीवित** वि. (तत्.) जो जीवित न हो, जीवनहीन, मृत।

**अजूबा** पुं. (अर.) अनूठी वस्तु, अद्भुत चीज, करामात।

**अजेतव्य** वि. (तत्.) दे. अजेय

**अजेय** वि. (तत्.) न जीता जाने योग्य, जिसे कोई जीत न सके, अपराजेय।

**अजैव** वि. (तत्.) 1. जो जीव से संबंधित न हो, पादप और प्राणी से भिन्न पदार्थों से संबंधित 2. खनिज 3. अकार्बनिक। inorganic

**अजोग** वि. (तद्.) 1. अयोग्य, जो योग्य न हो 2. अनुचित।

**अजोगी** वि. (तद्.) अयोगी, जोग (योग) को न जानने वाला, योग से रहित।

**अजोनि** वि. (तद्.) अयोनि, जो योनि से उत्पन्न न हो, स्वयंभू।

**अज्ञ** वि. (तत्.) ज्ञानरहित, अज्ञानी, मूर्ख, अनजान, नासमझ, नादान।

**अज्ञता** स्त्री. (तत्.) अज्ञान, मूर्खता, नादानी, अनाड़ीपन, जड़ता।

**अज्ञात** वि. (तत्.) 1. जो जाना हुआ न हो, अविदित, अप्रकट, अपरिचित, अप्रत्याशित, आकस्मिक।

**अज्ञातकुल** वि. (तत्.) 1. जिसके वंश-कुल आदि का पता न हो 2. अनिश्चित गुण रूप आदि के कारण जिसे किसी वर्ग में न रखा जा सके।

**अज्ञातनाम, अज्ञातनामा** वि. (तत्.) 1. जिसके नाम की जानकारी न हो 2. जिसे कोई न जानता हो, अविख्यात।

**अज्ञातपूर्व** वि. (तत्.) जिसकी पहले से जानकारी न हो।

**अज्ञातयौवना** स्त्री (तत्.) वह मुग्धा नायिका जिसे अपने यौवन के आगमन का ज्ञान न हो।

**अज्ञातवास** पुं. (तत्.) छिपकर रहना, ऐसे स्थान में निवास करना जिसकी जानकारी दूसरों को न हो प्रयो. बारह वर्ष के वनवास के बाद पांडवों ने एक वर्ष अज्ञातवास में बिताया।

**अज्ञातश्मश्रु** वि. (तत्.) 1. जिसकी दाढ़ी-मूंछ (अभी) न निकली हो 2. अल्पायु, अल्पवय।

**अज्ञाता** स्त्री (तत्.) अज्ञातयौवना मुग्धा नायिका।

**अज्ञाति** पुं. (तत्.) वह व्यक्ति जो संबंधी न हो, जो गोत्रीय या सपिंड न हो, पितृवंश से भिन्न वंश में उत्पन्न।

**अज्ञान** पुं. (तत्.) 1. ज्ञान या बोध (ज्ञानकारी) का अभाव 2. मिथ्या ज्ञान 3. मूर्खता, जड़ता।

**अज्ञानकृत** वि. (तत्.) 1. अज्ञान में किया हुआ, अनजाने में किया हुआ, अज्ञान या मूर्खतावश किया हुआ।

**अज्ञानतः** क्रि.वि. (तत्.) 1. अज्ञानवश 2. अनजाने में 3. नासमझी के कारण, मूर्खतावश।

**अज्ञानता** स्त्री (तत्.) 1. अज्ञानपन, ज्ञान का अभाव, ज्ञानहीनता 2. मूर्खता, जड़ता 3. नासमझी, नादानी।

**अज्ञानपन** पुं. (तद्.) मूर्खता, जड़ता, नादानी, नासमझी।

**अज्ञानी** वि. (तत्.) 1. ज्ञानशून्य, जानकारी रहित 2. जड़, मूर्ख 3. अनाड़ी, नादान, नासमझ।

**अज्ञेय** वि. (तत्.) 1. न जाने जा सकने योग्य, जो समझ में न आ सके, बुद्धि की पहुँच से बाहर का 2. अबोधगम्य।

**अज्ञेयता** स्त्री (तत्.) न जान सकने की स्थिति।